B.A. II, History (Hon's) & Inter student. (+2)

★ सूफी सम्प्रदाय से क्या समझते हैं? इनके प्रमुख सिद्धांत क्या थे?

उत्तर- सल्तनत-काल में इस्लाम-धर्म में जो सबसे महत्वपूर्ण घटना घटी, वह थी सूफीवाद या सूफी-संप्रदाय का उदय। 'सूफी' शब्द की ~~कुछ~~ व्युत्पति विवादास्पद है। सूफीवाद का विकास ईरान में हुआ। वहाँ से यह भारत भी आया। 13वीं-14वीं शताब्दी तक भारत में इस्लाम धर्म के साथ ही सूफी-संप्रदाय भी व्यापक तौर पर स्थापित हो चुका था। सूफी-संप्रदाय के विकास के साथ ही भारत में अनेक सूफी-संतों का प्रादुर्भाव हुआ। उनमें सूफी मत के विभिन्न संप्रदायों के संत सम्मिलित हैं। प्रमुख सूफी संतों में ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती, शेख निजामुद्दीन औलिया, बाबा फरीद इत्यादि का उल्लेख किया जा सकता है।

~~सूफी~~ सूफी सम्प्रदाय के प्रमुख सिद्धांत निम्नलिखित हैं:-

1. परमात्मा एक है और वह सर्वव्यापी है। ईश्वर मन्दिरों और मस्जिदों में नहीं, बल्कि मनुष्य के हृदय में निवास करता है।

2. सूफी मत के लोग धार्मिक कर्म काण्ड को विशेष महत्व नहीं देते थे। वे नियमित ढंग से नमाज पढ़ने और रोजा रखने को आवश्यक नहीं मानते थे। उनका विश्वास था कि मनुष्य को मुक्ति पाने का मार्ग तो ~~यह~~ यह है कि अपने मन को पवित्र रखें, क्योंकि ईश्वर शुद्ध मन में निवास करता है।

3. ईश्वर को प्राप्त करने के लिए अहंकार को समाप्त करना आवश्यक है। जब तक मनुष्य में 'मैं' या "अहं" की भावना रहती है, तब तक वह ईश्वर के साक्षात दर्शन के योग्य नहीं होता।

4. सूफी सन्त ईश्वर के नाम का प्रेम से स्मरण करने का प्रचार करते थे। उनका मानना था कि मनुष्य को ईश्वर की भक्ति में इतना लीन हो जाना चाहिए कि उसे सुध-बुध ही न रहे।

5. सभी मनुष्य एक ही ईश्वर की सन्तान हैं। अतः एक दूसरे से घृणा करना ईश्वर को नाराज करना है। जो लोग मानव जाति से प्रेम नहीं करते, वे कभी भी ईश्वर को प्राप्त नहीं कर सकते। प्रसिद्ध सूफी सन्त निजामुद्दीन औलिया ने कहा था कि, "ओ मुसलमानों! वही इन्सान अल्लाह के प्यारे हैं, जो उसके बन्दों से प्यार करता है। बन्दों की सेवा करना इन्सान का सबसे पहला कर्तव्य है।"

Scanned with CamScanner

6. सूफी सन्त मुर्शीद (गुरु) को धारण करना ईश्वर प्राप्ति के लिए आवश्यक मानते थे। उनका मानना था कि बिना गुरु के विकास या गति असंभव है।

7. सूफी सन्त संगीत के प्रेमी थे। उनका यह मानना था कि भक्ति संगीत सुनने से मनुष्य का हृदय पवित्र होता है और धीरे-धीरे वह ईश्वर से प्रेम करने लगता है। उनके अनुसार संगीत से मन केन्द्रित होता है और फिर ध्यान ईश्वर की ओर केन्द्रित होता है।

सूफी सन्तों के विचारों एवं आचरणों से समाज में व्याप्त अनेक बुराइयों को दूर करने का प्रयास किया। इन लोगों ने साहित्य, भाषा, दर्शन और नृत्य-संगीत के विकास को भी प्रभावित किया। प्रो. गिब के अनुसार "सूफीवाद ने अपनी ओर उन तत्वों को आकृष्ट किया जो सामाजिक और सांस्कृतिक क्रांति के वाहक के रूप में उभरकर सामने आए। पूर्वी अधिपत्य के काल में जब देश का जनजीवन घुटन का अनुभव कर रहा था तब सूफी खानकाह ने सामाजिक संदेश फैलाने एवं सुधारवादी राजनीति का उन्माद पैदा करने का काम किया।"

Scanned with CamScanner